

## ADDENDA.

Arg. Graec. n. 43. Nauck would prefer φιλονικίαι here, and φιλονικίας above.

1—3. ἀεὶ μὲν — καὶ νῦν] 'As always, so now.' Plat. Prot. 335 E. Rep. II. 367 extr.

1. Epigr. Corp. Inscr. 1907, 11. Λαοτίου γόνος. Plaut. Bacch. IV. 9.  
22. *Ulixes Laertius* (*Lertius* cod. Pal. *Lartius* Both.).

2. πειῖραν ἀρπάσαι nearly equivalent to πειράσσει. Herod. VI. 82. πειῖραν τῆς πόλιος. Thuc. I. 61. πειράσαντες πρῶτον τοῦ χωρίου. Translate: 'on the look out to seize some opportunity of surprising your foes.'

3. Add Hom. II. α'. 107. αἰεὶ τοι τὰ κάκ' ἐστὶ φίλα φρεσὶ μαντεύεσθαι, | καὶ νῦν ἐν Δαναοῖσι θεοπροπέων ἀγορεύεις.

5. Schol: στοχαζόμενον.

6. Wolff considers εὔρινος the genitive.

8. Aesch. Ag. 1155. Eum. 246. Lucr. I. 460.

9. Add Andr. 1116. τυγχάνει δ' ἐν ἐμπύροις. Iph. A. 730. ἡμᾶς δὲ ποῦ χρὴ τηρικαῦτα τυγχάνειν;

15. Dindorf explains ἄποπτος 'seen from afar', coll. Galen. III. 222. καὶ τις ἐξ ἀπόπτου θεασάμενος ταῦρον &c. V. Lobeck. ad h. l.

Cf. CEd. R. 1325. οὐ γὰρ με λήθεις, ἀλλὰ γινώσκω σαφῶς, | καίπερ σκοτεινός, τὴν γε σὴν φωνὴν ὅμως. Aesch. Eum. 297. κλύει δὲ καὶ πρόσσωθεν ὢν θεός.

17. Cf. Apocal. I. 10. ἤκουσα ὀπίσω μου φωνὴν μεγάλην ὡς σάλπιγγος, λεγούσης &c. IV. 1. S. Matth. Ev. XXIV. 31. μετὰ σάλπιγγος φωνῆς. I. Cor. XIV. 8. ἐὰν ἄδηλον φωνὴν σάλπιγγος δῶ.

23. Cf. II. β'. 486. ἡμεῖς δὲ κλέος οἶον ἀκούομεν οὐδέ τι ἴδμεν. ἀλώμεθα] Schol: τῷ νῶ πλανώμεθα. Qu. ἄλλων πάρα (ἴσμεν).

24. ἐθελοντῆς occurs Herod. V. 104. 110. Thuc. I. 60. Dem. 259, 12. Andoc. I. 14. θελοντῆς nowhere, I believe.

27. Cf. 1069. χερσὶν παρενθύνοντες. 542. αὐτὸν — χερσὶν εὐθύνων.

28. τρέπει comes from an old gloss εἰς αὐτὸν τρέπει.

30. Add Hel. 598. πλανηθῆναι χθόνα.

32. Cf. CEd. R. 109. ἴχνος παλαιᾶς δυστέκμαρτον αἰτίας.

Cf. 234. δεσμῶτιν ἄγων ἤλυθε ποίμνην· | ὢν τὰ μὲν εἶσω σφάζ' ἐπὶ γαίας, | τὰ δὲ — ἀνερορήγνυ.

Lobeck adduces Synes. Enc. Calv. p. 85. πασχητιῶν μειράκιον ταῖς θριξὶ σημαίνομεθα. Philostr. V. Ap. III. 53. p. 137. Appian. Civ. IV. 19. Aelian. H. An. VII. 48.